जो श्रद्धा
कभी बुझती नहीं है
मगर बढ़ती
है, वह अनुभव का
रूप लेती है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोक जीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 190 | जयपुर. शनिवार . | 07 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

10वीं की परीक्षा 9 मार्च और 12वीं की 9 अप्रैल तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। बोर्ड ने 6 नवंबर को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर परीक्षा का शेड्यूल जारी किया। इसके अनुसार, दोनों कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होंगी। ऐसे में छात्रों को अपनी परीक्षा की तारीख और विषय के अनुसार तैयारी करने का समय मिल गया है। सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेंगी। इस बार 10वीं के छात्रों को कुल 83 विषयों की परीक्षा देनी होगी। बोर्ड ने सभी विषयों के लिए अलग-अलग तारीखें तय की हैं। सीबीएसई कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं भी 16 फरवरी से शुरू होंगी। हालांकि, इनका शेड्यूल 10वीं से ज्यादा लंबा है। 12वीं के आखिरी पेपर 9 अप्रैल तक होंगे। इस कक्षा के छात्रों को कुल 121 विषयों की परीक्षा देनी होगी।

दीपावली पर जयपुर के नौ प्रमुख स्मारक शाम 5 बजे होंगे बंद

जयपुर (कासं)। दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के अवसर पर जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक स्मारकों के समय में बदलाव किया गया है। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 7 से 9 नवंबर तक शहर के नौ प्रमुख स्मारक प्रतिदिन शाम 5 बजे के बाद पर्यटकों के लिए बंद रहेंगे। इनमें आमेर महल, राजकीय केंद्रीय संग्रहालय, हवा महल, जंतर-मंतर, नाहरगढ़ दुर्ग, ईसरलाट, सिसोदिया रानी का बाग, विद्याधर का बाग और गांधी वाटिका शामिल हैं। विभाग के निदेशक डॉ. पंकज धरेंद्र ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। पर्यटकों से अपील की गई है कि वे इन स्मारकों का भ्रमण शाम 5 बजे से पहले पूरा कर लें, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

स्टारलिंक-जियो-वनवेब में मुकाबला, ग्राहक तय करेंगे इंटरनेट का किंग

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत के सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेक्टर को लेकर केंद्र सरकार ने अपना रूख साफ किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत में इस सेक्टर की सभी कंपनियों का स्वागत है और आखिरी में कस्टमर ही यह तय करेंगे कि उन्हें कौन सी सेवा पसंद है। सूत्रों ने कहा कि इस क्षेत्र में ग्राहक ही राजा है और उपभोक्ता अपने सुविधा को देखते हुए कीमत, वैल्यू और सर्विस की गुणवत्ता के आधार पर अपनी पसंद की कंपनी चुनेंगे। बता दें कि वर्तमान समय भारत में जियो, वनवेब और स्टारलिंक, इन तीनों कंपनियों के पास सैटकॉम लाइसेंस मौजूद हैं। ऐसे में सरकार ने बताया कि पूरी लाइसेंस प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी रही है। इसके अलावा सरकार ने यह भी बताया कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक इस लाइसेंस के लिए आवेदन करने और उसे पाने वाली आखिरी कंपनी थी। भारत सरकार ने साफ किया है कि मामले में तीनों ही लाइसेंसधारी कंपनियों को अपनी क्षमता दिखाने और तय सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए कहा गया था। इस मामले में वनवेब ने सबसे पहले अपने कंप्लायंस डॉक्यूमेंट्स जमा किए, उसके बाद जियो ने और स्टारलिंक ने इसमें सबसे आखिर में प्रक्रिया पूरी की। गौरतलब है कि अभी सेवा शुरू होने में दो और कदम बाकी है। इस बात को ऐसे समझिए कि इस मामले में सरकार को यह तय करना है कि स्पेक्ट्रम कैसे और किस कीमत पर मिलेगा। दूसरा कदम तीनों कंपनियों द्वारा सभी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा किया जाना जरूरी है। अब ऐसे में जैसे ही ये शर्तें पूरी हो जाएंगी, देश में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं बड़े पैमाने पर शुरू हो सकेंगी और इससे पूरे सेक्टर को फायदा मिलेगा।

30 लाख दियों की रोशनी से नहाएगा सरयू घाट

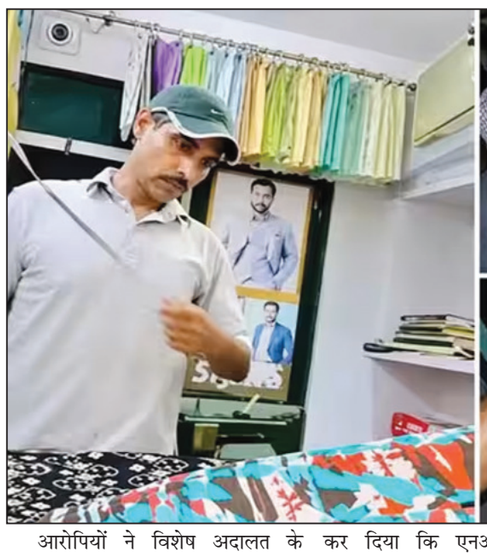
अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी दसवें दीपोत्सव पर एक और विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए तैयार है। राम की पैड़ी सहित सरयू तट के 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक दीये सजाए जा चुके हैं। अवध विश्वविद्यालय के 35 हजार स्वयंसेवकों ने तीन दिन की मेहनत के बाद शुक्रवार को दीप सज्जा का काम पूरा कर लिया। शाम को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के दीप प्रज्वलन के बाद सभी घाटों पर एक साथ दीप जलाए जाएंगे। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. एसएस मिश्र ने बताया कि शनिवार सुबह से स्वयंसेवक दीयों में तेल और बाती डालेंगे। इसके लिए 900 घाट समन्यवयक, 112 घाट प्रभारी और 27 प्रवेक्षकों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। प्रत्येक टीम को अपने क्षेत्र का काम निर्धारित समय में पूरा करना होगा। दीप सज्जा पूरी होने के बाद कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य को निर्धारित समय में पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। स्वयंसेवकों ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से इसे संभव बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस वर्ष अयोध्या का दसवां दीपोत्सव 'नव भारत की नई अयोध्या' का प्रतीक बनेगा। राम की पैड़ी पर 30 लाख दीप जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड

कन्हैयालाल हत्याकांड: सभी 8 आरोपियों को हाईकोर्ट से झटका
आतंकवाद की धाराओं में ही चलेगा कन्हैयालाल हत्याकांड का मुकदमा

जयपुर (कासं)। शहर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड में आरोपियों को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मामले के सभी आठ आरोपियों की ओर से दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब सभी आठ आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद से जुड़ी धाराओं के तहत मुकदमा चलेगा।

हाईकोर्ट ने एनआईए की विशेष अदालत की ओर से आरोप तय करने के दिए गए आदेश में किसी तरह का हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

कन्हैयालाल हत्याकांड में एनआईए की विशेष अदालत ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए थे। इसमें आतंकवाद से संबंधित धाराएं भी शामिल थीं। आरोपियों की ओर से इन धाराओं के तहत मुकदमा चलाने और आरोप तय करने की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थीं।







आरोपियों ने विशेष अदालत के आदेश पर सवाल उठाते हुए हाईकोर्ट से राहत मांगी थी। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने आरोपियों की दलीलों को स्वीकार नहीं किया और सभी आठ याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि एनआईए की विशेष अदालत की ओर से आरोप तय करने के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद से जुड़ी धाराओं में मुकदमा चलने का रास्ता साफ हो गया है।

आरोपियों की ओर से एडवोकेट मोहम्मद सलीम, एडवोकेट सैयत सआदत अली और अन्य ने कोर्ट को बताया कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई सबूत या सामग्री मौजूद नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि आरोपी कभी किसी गैरकानूनी या आतंकवादी संगठन के सदस्य रहे हैं या उन्होंने किसी ऐसे संगठन के इशारे पर काम किया है। वहीं यह पूरा मामला कथित तौर पर नूपुर शर्मा की ओर से की गई टिप्पणियों को कन्हैया लाल की ओर से सोशल मीडिया पर शेयर करने के बाद पैदा हुए विवाद से जुड़ा है। मृतक के इस कृत्य से भले ही आरोपी आक्रोशित हुए हों, लेकिन यह कृत्य अपने आप में इतना बड़ा आधार नहीं है कि आरोपियों पर यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) जैसा कड़ा कानून थोप दिया जाए। आरोपियों के वकीलों ने दावा किया कि पुलिस की ओर से बरामद किए गए वीडियो में ऐसा कोई शब्द, अभिव्यक्ति अथवा सबूत नहीं है, जिसे सार्वजनिक शांति भंग करने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और क्षेत्र की सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाला माना जाए। गौरतलब है कि उदयपुर में 28 जून 2022 को कन्हैयालाल की उनकी दुकान पर दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी।

कर्मभूमि एक्सप्रेस के 4 डिब्बों में लगी आग



पटियाला में चलती ट्रेन में मची अफरा-तफरी, सभी यात्री सुरक्षित

राजपुरा (एजेंसी) । अमृतसर की ओर आ रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के 4 जनरल कोचों में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के डिब्बों से धुएं का गुबार और आग की लपटें उठती देख यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई।

अपनी जान बचाने के लिए यात्री चलती ट्रेन से नीचे उतरने लगे। घटना राजपुरा के पास हुई। रेलवे कर्मचारियों, पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अब तक किसी यात्री के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ट्रेन नंबर 12508 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी कर्मभूमि एक्सप्रेस शुक्रवार दोपहर 12:58 बजे फतेहगढ़ साहिब जिले के साधुगढ़ रेलवे स्टेशन से रवाना हुई थी। इसके कुछ ही समय बाद राजपुरा के नजदीक ट्रेन के जनरल कोचों में आग लग गई। आग की चपेट में चार जनरल कोच आ गए। बताया गया कि इंजन से पांचवें नंबर पर स्थित कोच नंबर 265287लस में आग भड़की और देखते ही देखते धुआं और लपटें आसपास के डिब्बों तक फैल गईं। इससे ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच दहशत फैल गई।

धुआं भरते ही जान बचाने के लिए बाहर निकले यात्री

ट्रेन के कोचों में आग और धुआं फैलने के बाद यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। डिब्बों के अंदर धुआं भरने लगा तो लोग अपना सामान छोड़कर बाहर निकलने लगे। कई यात्री जान बचाने के लिए ट्रेन से नीचे उतर गए। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेलवे प्रशासन को सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ यात्रियों को सुरक्षित निकालने का अभियान शुरू किया।

अंबाला से भेजी गई मेडिकल रिलीफ ट्रेन

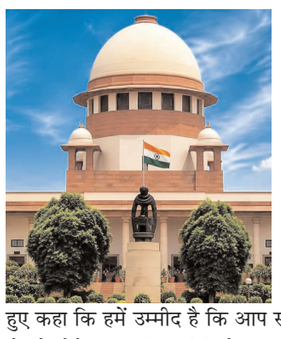
आपात स्थिति से निपटने के लिए रेलवे ने अंबाला से दोपहर 1:20 बजे दुर्घटना राहत चिकित्सा ट्रेन रवाना की। इसमें एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट (एआरएमई) उपलब्ध था, ताकि जरूरत पड़ने पर यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी जा सके।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

फिलहाल ट्रेन के चार जनरल कोचों में आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। रेलवे अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आग किस वजह से लगी और इसकी शुरूआत कैसे हुई, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

प्रदूषण पर सिर्फ पाबंदियों से नहीं निकलेगा समाधान : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण को लेकर तंज भी कसा। सीजेआई सूर्यकांत जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि



उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ वकील अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी के आसपास बना हुआ है। हमारी आवाज भी बैठ रही है और यह रोज 30 सिगरेट पीने जैसा है। वहीं सीजेआई सूर्यकांत ने तंज कसते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। अपराजिता सिंह ने कहा कि 5 नवंबर को पराली जलाने का योगदान 14 प्रतिशत था। दिल्ली पहले से ही प्रदूषित है। पराली जलाने से स्थिति और बिगड़ जाती है। ट्रांसपोर्ट सबसे बड़ी समस्या है। हमें स्थानीय प्रदूषण और पराली जलाने की समस्या पर वास्तव में काम करने की जरूरत है। एनसीआर में ट्रांसपोर्ट, ऊर्जा, कचरा जलाना आदि जैसी कई समस्याएं हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यहां बारिश होने की वजह से स्तर थोड़ा कम हुआ है। यह वह समय है जब किसान बुआई करेंगे... पराली जलाना तो (बंद) हो जाना चाहिए। बता दें कि दिल्ली में प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और कई इलाकों में एक्यूआई का लेवल 450 के पार चला गया है, जो बेहद गंभीर श्रेणी में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़

मुख्यमंत्री ने की जयपुर विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा

निर्धारित टाइमलाइन के साथ पूरे हो विकास कार्य- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर शहर का विकास वर्तमान की आवश्यकताओं के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाए। राज्य सरकार का प्रयास है कि बेहतर एवं सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ जयपुर शहर को उत्कृष्ट मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के कार्यों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होने कहा कि जयपुर में यातायात के बढ़ते दबाव के साथ आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इसके लिए जेएलएन मार्ग पर स्थित प्रमुख स्थानों को सिग्नल फ्री बनाते हुए सुगम यातायात का प्लान तैयार करें।

उन्होंने कहा कि ट्रैफिक इम्प्रुवमेंट प्लान में पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही और पार्किंग व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने मुख्य सचिव एवं विभागीय अधिकारियों को इसके लिए फील्ड में मौका-मुआयना करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने हाईटेक सिटी परियोजना के संबंध में कहा कि दिल्ली से जयपुर की निकटता और देश-दुनिया में प्रवासी राजस्थानियों की व्यापक उपस्थिति शहर के लिए विकास एवं निवेश की नई संभावनाएं प्रस्तुत करती है। इन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हाईटेक सिटी का ऐसा मॉडल विकसित किया जाए, जो आधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त हो। उन्होंने मेडिसिटी परियोजना की समीक्षा करते हुए इसे आधुनिक एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं के साथ विकसित करने पर जोर दिया।

कार्यों में ना हो अनावश्यक देरी

मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि सभी विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक परियोजना की स्पष्ट टाइमलाइन तय हो और उसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों में अनावश्यक देरी एवं लापरवाही को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण सिद्धार्थ महाजन सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इरफान के बयान से गरमाई सियासत, भाजपा ने मांगा राहुल से जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी के बयान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि उनकी पार्टी के नेता देश में अस्थिरता और अराजकता की बात कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि क्या इस कथित योजना की पटकथा उनके इशारे पर लिखी जा रही है और क्या पूरी साजिश का नियंत्रण उनके हाथ में है। नवीन ने कहा कि राहुल गांधी की चुप्पी इन सवालों को और गंभीर बना रही है।

नितिन नवीन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर राहुल गांधी से कई सवाल किए। उन्होंने कहा कि झारखंड में कांग्रेस के मंत्री खुले तौर पर दावा कर रहे हैं कि राहुल गांधी के कहने पर कांग्रेस देश में अस्थिरता पैदा करने और भारत को अराजकता की आग में झोंकने के लिए तैयार है। नवीन ने पूछा कि इस गंभीर बयान पर राहुल गांधी की चुप्पी का क्या



मतलब निकाला जाए। क्या यह उनकी मौन सहमति है? उन्होंने यह भी सवाल किया कि देश की स्थिरता से खिलवाड़ करने वालों को राहुल गांधी का संरक्षण क्यों मिल रहा है। नवीन ने कहा कि देश उनसे जवाब मांग रहा है।

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री और कांग्रेस नेता इरफान अंसारी ने गुरुवार को बांग्लादेश और नेपाल में सरकारों के गिरने या विरोध का सामना करने का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश की सरकार इसलिए गिर गई, क्योंकि उसने अपने नागरिकों की आवाज नहीं सुनी। नेपाल में भी सरकार ने युवाओं की बात को नजरअंदाज किया और उसे लगा कि उसके पास पूरी ताकत है। अंसारी ने कहा कि भारत में भी छात्र, किसान, मजदूर, कारोबारी और बेरोजगार युवा सड़कों पर हैं।

उन्होंने इसे चिंता का संकेत बताया। अंसारी ने दावा किया कि दिल्ली में 40 लाख छात्र सड़कों पर हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हालात को नियंत्रण में रखा है। अंसारी के मुताबिक, देशभर में लाखों छात्र, किसान, मजदूर और बेरोजगार युवा सड़कों पर हैं, लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें कानून अपने हाथ में लेने से रोका है। उन्होंने सरकार से इन परिस्थितियों से सबक लेने की अपील की। इसी बयान को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमला बोला है। राजनीतिक गलियारों में इस बयान को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। भाजपा ने इसे देश की आंतरिक स्थिरता से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व से स्पष्टीकरण मांगा है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में विरोध और आंदोलन का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी भी बयान में देश की शांति और कानून-व्यवस्था का ध्यान रखा जाना चाहिए। वहीं, इरफान अंसारी के बयान के जरिए कांग्रेस ने सरकार को जनता की समस्याओं पर ध्यान देने की अपील की है। अंसारी ने बांग्लादेश और नेपाल के उदाहरण देते हुए कहा था कि सरकारों को युवाओं और आम नागरिकों की आवाज सुननी चाहिए। उनका तर्क था कि जनता की समस्याओं की अनदेखी से असंतोष बढ़ सकता है।

इस घटनाक्रम ने भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप को और तेज कर दिया है। अब सबकी नजर कांग्रेस नेतृत्व की प्रतिक्रिया पर टिकी है।

904 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में किशोर बियानी पर सीबीआई का केस



नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने 904.32 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में फ्यूचर रिटेल लिमिटेड और जाने-माने कारोबारी किशोर बियानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही, शुक्रवार को मुंबई में उनसे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी भी की गई। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में उनके भाई राकेश बियानी के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। यह मामला धोखाधड़ी के लिए आपराधिक साजिश रचने और 'भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम' के तहत अपराधों से जुड़ा है।

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शिकायत पर किशोर बियानी और राकेश बियानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसके अलावा, इसमें अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। इन पर धोखाधड़ी के लिए आपराधिक साजिश रचने और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत अपराध करने का आरोप है। इस वजह से शिकायतकर्ता बैंक को कथित तौर पर 904.32 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सीबीआई का आरोप है कि एसबीआई की शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और नौ बैंकों के एक कंसोर्टियम से क्रेडिट सुविधाएं (लोन) हासिल करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। बयान में कहा गया है कि फ्यूचर रिटेल कई तरह के रिटेल फॉर्मेट चलाती थी जिनमें बिग बाजार, फैशन बिग बाजार और फूडहॉल जैसे हाइपरमार्केट और सुपरमार्केट शामिल थे। इसके अलावा, कंपनी अपने स्टोर के जरिए एफएमसीजी और फैशन के सामानों की जनरल ट्रेडिंग भी करती थी। सीबीआई का आरोप है कि कंपनी ने बैंक से मिले फंड का इस्तेमाल उन उद्देश्यों के लिए नहीं किया, जिनके लिए इसे मंजूर किया गया था।

4 नवंबर को एफआईआर दर्ज की

बयान में कहा गया है, यह भी आरोप है कि कंपनी ने अपनी सहयोगी कंपनियों या उससे जुड़ी अन्य इकाइयों के जरिए फंड को दूसरी जगह भेज दिया (डायवर्ट कर दिया), जिससे बैंक को नुकसान हुआ। एजेंसी ने 4 नवंबर को एफआईआर दर्ज की और मुंबई में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया, तलाशी के दौरान जांच से जुड़े अहम दस्तावेज बरामद किए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया। उन्होंने कहा कि इस कथित साजिश की पूरी गहराई तक जाने, इसमें शामिल सभी लोगों (सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों सहित) की भूमिका का पता लगाने और लोन के फंड का आखिर में कहां इस्तेमाल हुआ, इसका पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संपादक - स्व. डॉ. विश्वकुमार जी किरोरी

सामाजिक न्याय के नाम पर भेदभाव, समाज को कमजोर करने की नीति

जब किसी असंतुलित सामाजिक कानूनों में न्यायपालिका कुछ सुधार भी करती है तो संविधान संशोधन कर उसे पलट दिया जाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि यूजीसी ने शिक्षा और शिक्षकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई नियम या विधि नहीं बनाई है। न संसद में इस पर कोई विधेयक आया है। न सभी छात्रों को अपनी-अपनी भाषा में भी उसी स्तर की अच्छी शिक्षा मिल सकने के लिए कभी कुछ ठोस सोचा गया है, जो अंग्रेजी में उपलब्ध है। उलटे देसी भाषाओं के साहित्य और प्रकाशनों की मात्रा, विविधता और गुणवत्ता लगातार घट रही है। जबकि भाषा शिक्षा की नींव ही नहीं, पूरी संस्कृति का आवास है। यह दिखाता है कि शिक्षा में 'भेदभाव खत्म करना' या 'समान अवसर' बनाना यूजीसी या नीतिकारों की प्राथमिकता में क्या स्थान रखता है? यह विचित्र दृश्य है कि जब स्वतंत्र भारत के सामाजिक व्यवहार में जातिगत ऊंच-नीच और छुआ-छूत लगभग खत्म होने को हैं, तब नए सिरे से विविध प्रकार की जातिवादी नीतियां बनाई जाती हैं। इससे किसी दल को जो भी लाभ या हानि हो, समाज तो दुर्बल होता है। संपूर्ण समाज को हानि पहुंचा कर उसका कोई भाग सबल नहीं होता, बल्कि पूरा समाज दुर्बल होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रमुख पदाधिकारी सुनील आंबेकर ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियम असंतुलित हैं। अब सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा कि यूजीसी नियमों को लेकर छात्रों की चिंताओं और आपत्तियों पर नए सिरे से विचार किया जा रहा है और वह इन नियमों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने पर भी विचार कर रही है, ताकि किसी भी वर्ग के छात्रों में असंतोष या भेदभाव की आशंका न रहे। इसी वर्ष के प्रारंभ में अधिसूचित किए गए यूजीसी के नए नियमों के अनुसार शिक्षण संस्थानों में एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्र, कर्मचारी, शिक्षक आदि की हर शिकायत पर कार्रवाई होगी, जबकि अन्य जातियों के लोगों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। इनमें परोक्ष मान्यता थी कि कुछ जातियों के लोग विश्वसनीय हैं, जबकि अन्य अविश्वसनीय। आखिर शिकायत सुनने में भेदभाव क्यों करना? ऐसे नियमों पर तो डा. आंबेडकर को भी हैरत होती, क्योंकि इनमें कोई न्याय नहीं, बल्कि भेदभाव झलकता था। आधिकारिक रूप से किसी संपूर्ण जाति समूह को स्थायी रूप से दोषी, निर्दोष या विश्वसनीय, अविश्वसनीय मान लेना धक्का पहुंचाने वाली बात है। इससे बिना वजह दो समूहों में दुराव होता है।

जब किसी विश्वविद्यालय के किसी छात्र समूह ने ऐसी मांग नहीं की थी कि उसकी शिकायत पर कार्रवाई हो, जबकि दूसरे की शिकायत की उपेक्षा की जाए, तब यूजीसी के नए नियम अकारण किसी समूह के प्रति दूसरे में अनुपयुक्त भाव ही पैदा करते। कौन विवेकशील इसे उचित मानता? ऐसा कुछ संविधान निर्माताओं की कल्पना में नहीं था। तभी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाई। सरकार को पहले ही इस सच पर ध्यान देना चाहिए था कि ऐसे नियमों से शिक्षा संस्थानों में अस्वस्थ भाव, आपसी भय और संदेह बढ़ता। लोग ऐसे कदमों को राजनीति प्रेरित मानते हैं। इसीलिए सभी दल इस पर एक तरह की चुप्पी या उदासीनता रखते हैं, किंतु यह वृहद हिंदू समाज के लिए अहितकर है। उसके अंदर ही विविध नेता सामाजिक न्याय के नाम पर अन्याय का दायरा बढ़ाते रहते हैं। इससे हिंदू एकता कैसे बनेगी? जब हिंदू ही एक नहीं होंगे तो देश के लिए भी इसके तात्कालिक और दूरगामी असर होंगे। समस्या यह है कि सभी दल इस व्यापक पहलू की उपेक्षा करते हैं।

यूजीसी के नए नियम तमाम शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों, कर्मियों को आपसी संदेह, डर और आक्रोश में उलझाने वाले थे। ये नियम शिक्षा संस्थानों के परिवेश को असहज ही बनाते। यदि नए नियम लागू हो जाते तो वे उन छात्रों के प्रति भी अन्याय का कारण बनते, जिनके हित का दावा करते हुए यूजीसी ने उन्हें बनाया था। इससे विशेष जातियों के शिक्षक या प्रशासक छात्रों या अधीनस्थ कर्मचारी को उसकी गलती के लिए कुछ कहने में भी डरते। उन्हें यह डर होता कि किसी भी बात पर यदि जातिगत उत्पीड़न की शिकायत हो गई तो नाहक फंसेंगे। दूरगामी दृष्टि से देखा जाए तो यूजीसी के नए नियम एक दुष्चक्र थे। ऐसे दुष्चक्र तोड़ने के बदले सभी दल उन्हें समर्थन देकर फायदे की प्रतियोगिता करते प्रतीत होते हैं। इसी से जातिवादी राजनीति फलती-फूलती है।

यूजीसी के नए नियम इसलिए भी अनावश्यक थे, क्योंकि 'अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार) कानून' के रूप में पहले से ही एक कड़ी व्यवस्था मौजूद है। उसके प्रविधान इतने कठोर हैं कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में उसमें कुछ राहत दी थी, ताकि झूठी शिकायतों पर किसी को दंडित न होना पड़े। हालांकि संसद ने संविधान-संशोधन कर उस फैसले को निरस्त कर दिया। फलत: इस कानून का दुरूपयोग बढ़ गया। आए दिन शातिर या बदले की भावना से भरे लोग सामान्य और ओबीसी वर्ग के किसी व्यक्ति पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर ब्लैकमेल करते रहते हैं। इसलिए ऐसे सभी एकतरफा कानूनों में सुधार की जरूरत है। इन्हें सामाजिक न्याय का नाम देना न्याय को विद्रूप करना है।

साइबर स्वच्छता अवेयरनेस समय की मांग, ई-वेस्ट के वैज्ञानिक निष्पादन और रिसाइक्लिंग पर जोर- मुख्य सचिव

आठ ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को दिखाई हरी झंडी

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने साइबर स्वच्छता के प्रति सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को आगे आकर व्यापक स्तर पर अवेयरनेस कार्यक्रम संचालित करने पर जोर देते हुए कहा कि आज डिजिटल सुरक्षा समय की मांग है। ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल सप्ताह, 2026 के दौरान ई-वेस्ट पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सोना, चांदी सहित अन्य मूल्यवान धातुओं की रिकवरी की जा सकती है।

इससे न केवल प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संभव है, बल्कि ई-वेस्ट को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित कर सर्कुलर इकोनॉमी को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य सचिव, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अपर्णा अरोरा, पर्यावरण सचिव श्रीमती शैलजा देवल एवं आरएसपीसीबी के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल ने प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक कचरे के व्यवस्थित संग्रहण, वैज्ञानिक निस्तारण एवं अधिकाधिक रिसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने के लिए अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत आठ ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य सचिव ने ई-वेस्ट रिसाइक्लर्स द्वारा प्रदर्शित रिसाइक्लिंग प्रक्रिया एवं विभिन्न तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।



मुख्य सचिव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने ई-वेस्ट के उचित संग्रहण एवं वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग के लिए आमजन, उद्योगों और संबंधित संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आमजन को अब अपनी लाइफस्टाइल में पर्यावरण संरक्षण को शामिल करना होगा ताकि बेहतर पर्यावरण के साथ बेहतर स्वास्थ्य की कल्पना साकार हो सके। उन्होंने ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल सप्ताह, 2026 के दौरान एक नवंबर से राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा प्रतिदिन आयोजित कार्यक्रमों और इन कार्यक्रमों में जनभागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन में राजस्थान समूचे देश में अग्रणी प्रदेश बन गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, खान एवं पेट्रोलियम विभाग तथा अध्यक्ष राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल श्रीमती अपर्णा अरोरा ने ई-वेस्ट के प्रभावी प्रबंधन में जनभागीदारी, उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी तथा उत्पादकों एवं रिसाइक्लर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल अपशिष्ट का निस्तारण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपशिष्ट को संसाधन के रूप में पुन: उपयोग में लाने की दिशा में भी ठोस प्रयास आवश्यक हैं। इस दौरान उन्होंने मंडल द्वारा किए जा रहे सतत् प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। अध्यक्ष श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण मण्डल द्वारा एक नवंबर से आयोजित सप्ताह के दौरान 5 नवंबर तक 59 हजार कार्यक्रमों का आयोजन कर 7 लाख 60 हजार से अधिक प्रदेशवासियों को इस कार्यक्रम से जोड़ा है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण के प्रति मण्डल की सजगता को इसी से समझा जा सकता है कि इस दौरान करीब 27 विभागों को जोड़ा गया। राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चन्द्रावल ने मंडल द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि सप्ताहभर प्रदेश में सस्टेनेबल लाइफस्टाइल, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधनों के संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। तकनीकी सत्र में ई-वेस्ट प्रबंधन एवं रिसाइक्लिंग के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा के दौरान ई-वेस्ट के औपचारिक संग्रहण तंत्र को मजबूत बनाने में आमनागरिकों की भूमिका, जागरूकता एवं जवाबदेही के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी होने पर उन्हें सामान्य कचरे में फेंकने के बजाय अधिकृत कलेक्शन सेंटर एवं रिसाइक्लर्स तक पहुंचाना आवश्यक है। ई-वेस्ट के प्रभावी संग्रहण, पृथक्करण, परिवहन, वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग एवं संसाधनों के पुन: उपयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा जिम्मेदार उपभोग एवं अपशिष्ट प्रबंधन की शपथ भी दिलाई गई। पर्यावरण सचिव श्रीमती शैलजा देवल, माइंस विभाग की विशिष्ट सचिव श्रीमती नम्रता वृष्णि ने भी विचार व्यक्त किए। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जनसांख्यिकीय बदलावों से जुड़े विभिन्न पहलुओं के अध्ययन के लिए गठित 'हाई लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंज' के 25 नवम्बर को प्रस्तावित राजस्थान दौरे के दृष्टिगत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में बैठक आयोजित हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त), सदस्य दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत्त आईएएस), बालाजी श्रीवास्तव, (सेवानिवृत्त आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि तथा संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने राजस्थान दौरे के संबंध में अपनी अपेक्षाओं, आवश्यकताओं तथा विभिन्न विभागों से अपेक्षित सूचनाओं के संबंध में मुख्य सचिव को अवगत कराया। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिति द्वारा अपेक्षित सभी आवश्यक आंकड़े एवं सूचनाएं समयबद्ध रूप से संकलित की जाएं जिससे समिति को आवश्यक जानकारी सुव्यवस्थित एवं तथ्यात्मक रूप से उपलब्ध कराई जा सके। मुख्य सचिव ने समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के आवागमन, परिवहन, बैठक स्थलों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर समुचित प्रबंध करने तथा संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत सहित, बीएसएफ आईजी डॉ विकास पाठक सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें तथा पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा भी विडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े।

परिवर्तन स्कीम से एन सी आर में स्वच्छ वायु और सुरक्षित परिवहन को मिल रही मजबूती

जन-सहयोग से ही प्रदूषण नियंत्रण का लक्ष्य पूरी सफलता से हासिल होगा, पात्र वाहन स्वामियों तक पहुंचे योजना का लाभ- मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में परिवर्तन स्कीम तथा एनसीआर क्षेत्र के जिलों में वायु गुणवत्ता से जुड़े विषयों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एनसीआर क्षेत्र समेत पूरे राज्य में प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध है। स्कीम के प्रभावी क्रियान्वयन से स्वच्छ वायु और सुरक्षित परिवहन को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है।

एनसीआर जिलों में वायु गुणवत्ता की स्थिति पर फीडबैक-

मुख्य सचिव ने अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़ और भरतपुर-डीग के जिला कलेक्टरों से अपने क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बारे में विस्तार से फीडबैक लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के सभी निर्देशों की जमीनी स्तर पर पूरी पालना सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। श्रीनिवास ने कहा कि स्कीम का उद्देश्य एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाणिज्यिक वाहनों के स्थान पर बीएस-6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कीम के लाभों के बारे में आमजन को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए, ताकि वाहन स्वामी योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएं।

परिवर्तन स्कीम के तहत वाहन स्वामियों को मिलने वाले प्रमुख लाभ-

बैठक के दौरान बताया गया कि परिवर्तन स्कीम के अंतर्गत एनसीआर में पंजीकृत बीएस-4 या उससे पुराने ट्रक एवं बस के स्वामी अपने पुराने वाहन को अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा में स्क्रैप करवाकर अथवा बीएस-4 वाहन को एनसीआर से बाहर बेचकर उसके स्थान पर नया वाहन खरीदते हैं तो उन्हें कई लाभ दिए जा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से नए वाहन पर 10 वर्ष तक मोटर



वाहन कर में शत-प्रतिशत छूट, पंजीकरण शुल्क में शत-प्रतिशत छूट तथा एक वर्ष से अधिक की लंबित देनदारियों की माफी का प्रावधान है। पात्र पुराना वाहन खरीदने पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसके अलावा वाहन ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जा रहा है और भाग लेने वाली वाहन निर्माता कंपनियों की ओर से एक्स-शोरूम कीमत पर 8 प्रतिशत की छूट मिल रही है। इसके अलावा नया डीजल या सीएनजी वाहन खरीदने वाले लाभार्थियों को 5 वर्ष तक प्रतिमाह ईंधन वाउचर दिए जाते हैं। यह राशि हल्के वाहनों के लिए 1,200 रुपये, मध्यम वाहनों के लिए 2,500 रुपये और भारी वाहनों के लिए 4,800 रुपये प्रतिमाह है। इलेक्ट्रिक वाहन चुनने पर हल्के वाहन के लिए 64 हजार रुपये, मध्यम वाहन के लिए एक लाख 28 हजार रुपये और भारी वाहन के लिए दो लाख 56 हजार रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता दी जाती है।

पीयूसीसी और ग्रेप-2 की सख्त पालना-

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि 'नो पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, नो फ्यूल' के नियम का सख्ती से क्रियान्वयन किया जाए, ताकि वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र के बिना किसी वाहन को ईंधन उपलब्ध न हो। साथ ही दिल्ली-एनसीआर के अंतर्गत आने वाले जिलों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के तहत ग्रेप-2 की सभी अनुपालनाएं पूरी गंभीरता से धरातल पर लागू करने के निर्देश दिए।

बेहतर समन्वय और जन-जागरूकता पर जोर-

उन्होंने वित्तीय संस्थानों, वाहन निर्माता कंपनियों और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा, ताकि लाभार्थियों को योजना के लाभ सुगमता से मिल सकें। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर जागरूकता मेलों के आयोजन और व्यापक प्रचार-प्रसार से जन-सहयोग मजबूत होगा। प्रदूषण नियंत्रण का यह लक्ष्य पूरी सफलता के साथ हासिल किया जा सकेगा। बैठक में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं अभिनेता रणदीप हुड्डा ने किया आयोजन का शुभारंभ

अलवर टाइगर मैराथन-2027 का हुआ आगाज

आधिकारिक शुभंकर 'सरिस्का वीर' का हुआ लोकार्पण, आधिकारिक टी-शर्ट का किया अनावरण

जयपुर (कासं)। आगामी 7 फरवरी को आयोजित होने वाली 'अलवर टाइगर मैराथन' के तीसरे संस्करण का उद्घोष कार्यक्रम केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं मैराथन के ब्रांड एंबेसडर एवं अभिनेता रणदीप हुड्डा की गरिमामयी उपस्थिति में शुक्रवार को अलवर शहर के मूसी महारानी की छतरी परिसर में हुआ। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अलवर टाइगर मैराथन के आधिकारिक शुभंकर 'सरिस्का वीर' का शुभारंभ रहा। सरिस्का वीर के माध्यम से बाघ संरक्षण, वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर सरिस्का वीर द्वारा भूपेन्द्र यादव एवं रणदीप हुड्डा को अलवर टाइगर मैराथन-2027 की आधिकारिक टी-शर्ट भेंट की गई। इसके पश्चात अतिथियों ने संयुक्त रूप से टी-शर्ट का अनावरण किया तथा फोटो सेशन में भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थान पर्यटन विभाग एवं वी-शक्ति ट्रस्ट के मध्य अलवर टाइगर मैराथन के संबंध में एमओयू हुआ, जिस पर राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से अतिरिक्त निदेशक राजेश शर्मा एवं वी-शक्ति ट्रस्ट की ओर से प्रज्ञा यादव ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान अतिथियों द्वारा मुम्बई हमले के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने वाले अलवर निवासी कमांडो सुनील जोधा एवं अजमेर निवासी अल्ट्रा रनर सुफिया सोफी का शॉल ओढाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया।

केंद्रीय वन मंत्री ने आमजन को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अलवर टाइगर मैराथन टाइगर एवं प्रकृति के संरक्षण के साथ पर्यटन को बढावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जो खेल के साथ-साथ स्वस्थ नागरिक, सुरक्षित प्रकृति व सशक्त समाज का संदेश देती है। इस टाइगर मैराथन का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढाते हुए देशवासियों को फिटनेस की जीवनशैली को अपनाने का संदेश देना है।

उन्होंने कहा कि अलवर टाइगर मैराथन की परिकल्पना केवल खेल का आयोजन नहीं बल्कि फिटनेस को जन आन्दोलन बनाने, बाघों और वनों के प्रति जागरूकता बढाने, अलवर की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक संपदा को दुनिया के सामने लाने का सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि सरिस्का टाइगर रिजर्व केवल ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर न होकर बाबा भर्तृहरि की तपोस्थली, चारों



तरफ सिद्ध पीठ हनुमानजी का वास एवं करणीमाता, नारायणी माता व नीलकण्ठ महादेव की शक्ति का केंद्र है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले टाइगर का रिलोकेट सरिस्का टाइगर रिजर्व में हुआ था।

रणदीप हुड्डा ने टाइगर संरक्षण एवं फिटनेस को समर्पित इस मैराथन से जोडने के लिए केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव का आभार जताते हुए अलवर टाइगर मैराथन को एक विचार बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस मैराथन के आयोजन से अलवर की संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौन्दर्य, खान-पान, वेशभूषा, बोली को पहचान मिलेगी। अलवर में एनसीआर के एकमात्र टाइगर रिजर्व के साथ गौरवशाली इतिहास जुडा हुआ है। केंद्रीय वन मंत्री ने अलवर सांसद खेल उत्सव एवं मैराथन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया के नारे से यूथ से जोडने का काम किया है। उन्होंने आमजन से अलवर टाइगर मैराथन के तृतीय संस्करण में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

अलवर टाइगर मैराथन के संयोजक अरूण जैन ने बताया कि अलवर टाइगर मैराथन ने पिछले दो आयोजनों में उल्लेखनीय लोकप्रियता हासिल की है। प्रथम संस्करण में 7 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, दूसरे संस्करण में प्रतिभागियों की संख्या लगभग 20 हजार तक पहुंच गई। तीसरे संस्करण में इस सहभागिता को और अधिक व्यापक बनाने तथा आमजन, संस्थाओं एवं विभिन्न संगठनों को आयोजन से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस बार मैराथन का रूट अलवर शहर के भीतर प्रस्तावित किया गया है, जिससे शहरवासी सीधे तौर पर आयोजन का हिस्सा बन सकेंगे। मैराथन में प्रतिभागियों की सुविधा एवं विभिन्न आयु वर्गों की सहभागिता को ध्यान में रखते हुए 21 किलोमीटर हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर रन, 5 किलोमीटर शक्ति रन तथा 2 किलोमीटर पैरा रन की श्रेणियां निर्धारित की गई हैं।

उन्होंने बताया कि मैराथन के लिए पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ 18 अक्टूबर को किया जा चुका है। व्यक्तिगत पंजीकरण के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों एवं समूहों की सामूहिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

आयोजन में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सेना, पुलिस, वन विभाग के कार्मिकों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, रनिंग ग्रुप्स, खेल संघों एवं व्यापारिक संगठनों से संपर्क कर उन्हें इस अभियान से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर नगर निगम महापौर सुमनलता अग्रवाल, रामगढ विधायक सुखवंत सिंह, सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान, केंद्रीय सहकारी बैंक एवं क्रय-विक्रय समिति के अध्यक्ष संजय नरूका, अशोक गुसा, महासिंह चौधरी, पूर्व विधायक जयराम जाटव, एनटीसीए के संजय पाठक, लक्ष्मीनारायण गुसा, पैरा मिल्ट्री, एसएसबी, आईटीबीपी, सीआईएसएफ के अधिकारीगण, संस्थाओं, उद्योग संघों के प्रतिनिधि एवं बडी संख्या में युवा व आमजन मौजूद रहे।

सिर्फ आयरन की कमी को दूर नहीं करता अनार

मिलते हैं यह बड़े फायदे

अनार एक ऐसा फल है, जिसे अक्सर लोग कम ही खाते हैं क्योंकि इसे छीलने में काफी मेहनत लगती है। लेकिन वास्तव में यह सेहत के लिए बेहद लाभदायक होता है। प्रोटीन, विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स व फोलिक एसिड से भरपूर अनार स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित करता है। तो चलिए जानते हैं अनार से होने वाले कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में-

घटाएं बैली फैट

अगर कोई व्यक्ति अपने बढ़ते वजन से परेशान है या अपने बैली फैट को कम करना चाहता है तो अनार का सेवन उसके लिए लाभदायक होगा। प्रतिदिन एक गिलास अनार का जूस पीने से बेहद आसानी से बढ़ते वजन को कम किया जा सकता है।

दिल के रोगियों के लिए फायदेमंद

अनार व इसका रस हृदय रोगियों के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है क्योंकि जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। जिसके कारण दिल के रोग होने या फिर हार्ट अटैक की संभावनाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।

दूर करे कैंसर

आपको शायद पता न हो लेकिन कैंसर से लड़ने व इसकी संभावनाओं को कम करने में भी अनार की अहम भूमिका होती है। दरअसल, अनार में कुछ ऐसे



तत्व पाए जाते हैं, जो कैंसर सेल्स को न सिर्फ बढ़ने से रोकते हैं, बल्कि शरीर में इन कैंसर सेल्स को एक्टिव होने से भी रोकते हैं। इसलिए अगर प्रतिदिन अनार का सेवन किया जाए तो इससे व्यक्ति को प्रोस्टेट, ब्रेस्ट और स्किन कैंसर होने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। साथ ही जिन लोगों को कैंसर है, वह भी इसका सेवन अवश्य करें।

गर्भवती महिलाएं करें सेवन

गर्भवती महिला को अतिरिक्त पोषक तत्वों व फोलिक एसिड की आवश्यकता पड़ती है तथा अनार में विटामिन, मिनरल्स व फोलिक एसिड पाया जाता है। इसलिए अगर गर्भवती महिला इसका सेवन करती है तो इससे महिला व उसके गर्भस्थ शिशु के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही गर्भावस्था का समय जैसे-जैसे बीतता है, महिला को पैरों में दर्द की शिकायत होती है, लेकिन अनार का सेवन करने से पैरों के दर्द में भी काफी आराम मिलता है।

नहीं होगा स्ट्रेस

आज के समय में शायद ही कोई व्यक्ति हो जो तनावग्रस्त न हो। जब कभी व्यक्ति के भीतर तनाव का स्तर बढ़ जाता है तो उससे उसे कई तरह की शारीरिक व मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन अगर व्यक्ति रोजाना अनार का सेवन करता है तो तनाव उसके जीवन से दूर रहता है।

दिखेंगे जवां-जवां

अगर आप लंबे समय तक जवां दिखना चाहते हैं तो भी अनार का सेवन अवश्य करें। दरअसल, अनार में उच्च मात्रा में विटामिन ए, ई और सी होता है, जो बढ़ती उम्र की समस्या को दूर करने का काम करते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से त्वचा की झुर्रियां जल्द नजर नहीं आतीं।



डाइट में अवश्य शामिल करें पालक का जूस फिर देखें कमाल

पोषक तत्वों से भरपूर

पालक को यदि एक सुपरफूड कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इसके जूस का सेवन करने से व्यक्ति को कई तरह के पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, सी तो मिलता है ही, साथ ही इसमें आयरन, प्रोटीन मैग्नीशियम, कैल्शियम, खनिज आदि पोषक तत्व भी होते हैं, जो शरीर के लिए बेहद आवश्यक होते हैं।

एक बेहतरीन एंटी-एजिंग

जो लोग लंबे समय तक जवां दिखने की चाहत रखते हैं, उन्हें पालक के जूस को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स होने के साथ-साथ कुछ ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं जो बढ़ती उम्र की निशानियों को बेहद आसानी से कम करते हैं। यह ढीली त्वचा में कसावट व झुर्रियों को कम करने के साथ-साथ आपके चेहरे का निखार भी बढ़ाने में मदद करता है।

पाचन तंत्र के लिए वरदान

अधिकतर बीमारियों की जड़ व्यक्ति का पेट ही होता है। अगर पाचन तंत्र सुचारू रूप से कार्य करे तो व्यक्ति एक खुशहाल व निरोगी जीवन जी सकता है और आपकी पाचन क्रिया की प्रणाली को बेहतर बनाने में पालक का जूस फायदेमंद साबित हो सकता

इस बात से तो हर कोई वाकिफ है कि फल व सब्जियों के रस का सेवन स्वास्थ्यवर्धक होता है। अगर आप भी अपनी डाइट में किसी जूस को शामिल करने का मन बना रहे हैं तो शुरूआत पालक के जूस से कीजिए। पालक के जूस में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, साथ ही यह सेहत के लिए भी कई मायनों में लाभकारी होता है। तो चलिए जानते हैं पालक के जूस का सेवन करने से होने वाले लाभों के बारे में-

है। यह न सिर्फ विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालता है, बल्कि इसमें पाया जाने वाला फाइबर पेट संबंधी समस्याओं जैसे कब्ज, अपच, एसिडिटी आदि को भी दूर करता है।

महिलाओं के लिए लाभदायक

पालक का जूस महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभदायी है। दरअसल, भारत में करीबन 70 प्रतिशत महिलाएं आयरन की कमी से जूझ रही हैं। लेकिन अगर वह अपनी डाइट में पालक के जूस को शामिल करती हैं, तो इससे उनके शरीर की आयरन की आवश्यकता पूरी होगी। इतना ही नहीं, गर्भावस्था में भी महिला को पालक के जूस का सेवन अवश्य करना चाहिए।

वजन कम करने में सहायक

अगर आप अपना वजन कम करने की फिराक में हैं तो भी पालक का जूस आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। दरअसल, पालक के जूस में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, जिसके कारण इसका सेवन बेफिक्र होकर किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त इसमें प्रोटीन भी पाया जाता है जो वजन कम करने और मसल्स को बिल्डअप करने में सहायक होता है।

सर्दियों में रखेंगे इन बातों का ध्यान तो हमेशा दिखेंगे एकदम जवाँ



जैसे ही मौसम बदलता है, स्किन को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। चूंकि अब मौसम में ठंडक का अहसास होने लगा है तो स्किन में भी रूखापन आ जाता है। यह मौसम मन को बहुत भाता है, लेकिन रूखी स्किन की महिलाओं के लिए इस मौसम में नमी बरकरार रख पाना काफी मुश्किल हो जाता है। अगर आपकी स्किन भी रूखी है लेकिन आप बेफ्रिक होकर इस मौसम का लुत्फ उठाना चाहती हैं तो इन पैक्स का इस्तेमाल करें, जो स्किन की नमी को रिस्टोर करने का काम करते हैं-

शहद

शहद स्किन को मॉइश्चराइज करने का काम करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आप सीधे ही अपने चेहरे पर लगाएं और करीबन 15 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। इसके बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को वॉश करें। शहद के इस्तेमाल से आपकी स्किन पूरा दिन हाइड्रेट रहती है।

शहद और कोको पाउडर

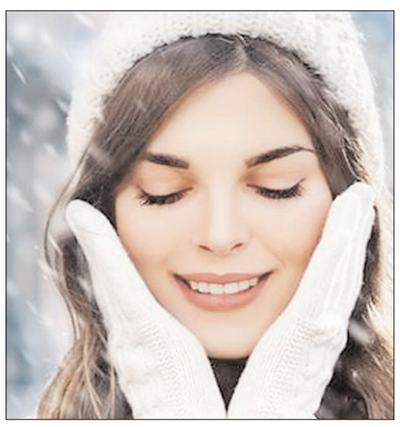
शहद को कोको पाउडर के साथ मिक्स करके लगाने से ड्राई स्किन का रूखापन खत्म होता है और स्किन को एक ताजगी मिलती है। इसके इस्तेमाल के लिए एक बाउल में तीन टेबलस्पून कोको पाउडर लेकर उसमें दो टेबल स्पून शहद मिलाएं। अब आप इस पेस्ट की मदद से अपने चेहरे की मसाज करें। आप इस पैक का इस्तेमाल शरीर के अन्य भागों पर भी कर सकते हैं। जब यह पेस्ट सूख जाए तो हल्के गुनगुने पानी से स्किन को साफ करें।

एलोवेरा का इस्तेमाल

अगर आपके घर में एलोवेरा का पौधा है तो यह आपकी ड्राई स्किन के लिए वरदान साबित हो सकता है। बस एलोवेरा का पत्ता तोड़कर उसका जेल निकालें और इसे चेहरे पर लगाकर मसाज करें। इस जेल को रातभर यूं ही रहने दें। अगली सुबह चेहरा वॉश करें। आप यह नुस्खा हर रात अपना सकती हैं। यह स्किन की ड्राईनेस को खत्म करने के साथ-साथ स्किन पर ग्लो भी लेकर आता है। इसके अतिरिक्त इससे चेहरे की समस्याएं जैसे पिंपल्स आदि भी खत्म होते हैं।

एप्पल फेस पैक

सेब को जहां खाने से हेल्थ संबंधी समस्याएं दूर होती हैं, वहीं यह रूखी स्किन की नमी को भी वापिस लेकर आता है। बस दो टेबलस्पून सेब का रस लेकर उसमें एक टीस्पून शहद मिक्स करें। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर करीबन 15 मिनट के लिए छोड़ दें। अब पानी की मदद से चेहरे को वॉश करें। सेब का रस स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ-साथ डेड स्किन सेल्स को बाहर निकालता है, जिससे स्किन ग्लो करने लगती है।



अगर यह दिक्कत है तो भूल कर भी नहीं खाएं काजू लेने के देने पड़ जाएंगे





सर्दी का मौसम आते ही लोगों कई तरह के नट्स जैसे बादाम, काजू व अखरोट खाना पसंद करते हैं। यह शरीर को गर्मी देने के साथ-साथ कई तरह के लाभ भी देते हैं। जहां तक बात काजू की है तो इसमें प्रोटीन, खनिज, आयरन, फाइबर, फोलेट, मैग्नीशियम, फास्फोरस, सेलेनियम, एंटीऑक्सीडेंट्स, मिनरल और विटामिन पाए जाते हैं। जिसके कारण इसे हेल्थ के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ लोगों के लिए इसका सेवन नुकसानदेह साबित होता है और कुछ खास तरह की शारीरिक समस्याएं झेल रहे लोगों को इससे दूरी बनाकर रखनी चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि किन लोगों को काजू खाने से करना चाहिए परहेज-

सिरदर्द बनेगा माइग्रेन

आज के समय में कभी न कभी व्यक्ति को सिरदर्द की शिकायत अवश्य होती है, लेकिन अगर आपका नाम उन लोगों में शुमार हैं जो हमेशा ही इस परेशानी से दो-चार होते हैं या फिर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो बेहतर होगा कि आप काजू का सेवन न करें। दरअसल, इसमें अमीनो एसिड पाया जाता है जो सिरदर्द की समस्या को गंभीर बना सकता है।

बढ़ता वजन

काजू को एक हाई कैलोरी फूड आइटम माना गया है। भले ही इसके सेवन से व्यक्ति को जल्द भूख न लगे लेकिन जिन लोगों का वजन ज्यादा है या फिर जो व्यक्ति अपना वजन कम करने की फिराक में हैं, उन्हें इसका सेवन बेहद सीमित मात्रा में करना चाहिए। करीबन 30 ग्राम काजू में 163 कैलोरी और 13.1 फैट पाया जाता है। इसलिए अगर आप नियमित या अधिक मात्रा में काजू का सेवन करते हैं तो अपने वेट लॉस गोल्स को कभी पूरा नहीं कर पाएंगे।

पथरी में करें परहेज

अगर किसी व्यक्ति को गॉलब्लैडर स्टोन अर्थात् पित्त में पथरी की शिकायत है तो उसके लिए भी काजू का सेवन उचित नहीं माना जाता। काजू में एक ऑक्सलेटेस नामक तत्व पाया जाता है जो पथरी की समस्या को बढ़ाने का काम करता है। ऐसे में व्यक्ति की स्थिति नाजुक हो सकती है।

उच्च रक्त चाप की समस्या

वर्तमान समय में, बहुत से लोगों को रक्तचाप की समस्या का सामना करना पड़ता है। अगर किसी व्यक्ति को उच्च रक्तचाप की शिकायत रहती है तो उसे भूलकर भी काजू का सेवन नहीं करना चाहिए। आपको शायद पता न हो लेकिन काजू में सोडियम पाया जाता है जो ब्लड प्रेशर को और भी अधिक बढ़ा देता है। ऐसे में स्थिति से निपटना काफी मुश्किल हो जाता है।

सर्दी के मौसम में अवश्य खाएं हरी मेथी मिलेंगे यह गजब के लाभ



सर्दी का मौसम आते ही बाजार में हरी पत्तेदार सब्जियों की जैसे बहार ही आ जाती है। इस मौसम में अक्सर लोग पालक, सरसों व हरी मेथी जैसी सब्जियों को खाना पसंद करते हैं। यह हरी पत्तेदार सब्जियां किसी वरदान से कम नहीं हैं। जहां तक हरी मेथी की बात है, तो इसके औषधीय गुण व्यक्ति को कई तरह के रोगों से बचाकर रखते हैं। मेथी को आप चाहे सब्जी के रूप में खाएं या फिर परांठे बनाकर, इसका लाभ आपको हर रूप में मिलेगा। तो चलिए जानते हैं हरी मेथी के सेवन से होने वाले कुछ चुनिंदा लाभों के बारे में-

पोषक तत्वों की भरमार

हरी मेथी में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। मसलन, इसमें तांबा, पोटेशियम, कैल्शियम, लोहा, सेलेनियम, जस्ता, मैंगनीज, मैग्नीशियम, थमियान, विटामिन बी 6, फोलिक एसिड, राइबोफ्लेविन, नियासिन, विटामिन ए और विटामिन सी आदि कई तरह के पोषक तत्व मौजूद हैं। यह सभी तत्व कई मायनों में सेहत को लाभ प्रदान करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल करे कम

अगर मेथी का सेवन किया जाए तो इससे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। दरअसल, इसमें लिपोप्रोटीन अर्थात् एलडीएल नामक तत्व पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में सहायक होता है।

दर्द करे छूमंतर

मेथी के सेवन का एक बड़ा लाभ यह है कि शरीर में होने वाले दर्द को दूर करने का काम करता है। ऐसा इसमें मौजूद कैल्शियम, आयरन व फास्फोरस के कारण होता है। खासतौर से, अगर कोई व्यक्ति जोड़ों के दर्द से परेशान है या फिर गठिया रोगी है तो उसे हरी मेथी को अपनी डाइट में अवश्य शामिल करना चाहिए।

हृदय को बनाए तंदुरूस्त

मेथी में गैलेक्टोमनैनन नामक एक तत्व मौजूद होता है जो हृदय को तंदुरूस्त बनाने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त इसमें पोटेशियम भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने करने का काम करता है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि मेथी खाने से दिल का दौरा पड़ने की संभावना कम होती है।

पाचन तंत्र बनाए बेहतर

हरी मेथी को पाचन तंत्र के लिए काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इसमें फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के साथ-साथ पाचन तंत्र को सुचारू रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। फिर चाहे बात कब्ज की हो, अपच की या फिर पेटदर्द की, हरी मेथी पेट संबंधी परेशानियों को दूर करने का माद्दा रखती है।

मधुमेह रोगियों के लिए वरदान

अगर कोई व्यक्ति मधुमेह ग्रस्त है, तो उसे हरी मेथी या मेथी के बीजों का सेवन अवश्य करना चाहिए। यह उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। दरअसल, मेथी में मौजूद गैलेक्टोमनैनन एक प्राकृतिक घुलनशील फाइबर है। यह रक्त में शुगर अवशोषण की दर को धीमा कर देता है। जिससे व्यक्ति की शुगर नियंत्रित रहती है। साथ ही इसमें एमिनो एसिड भी पाए जाते हैं जो इंसुलिन के उत्पादन को बढ़ाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्ट्रीट वेंडर्स से की दीपावली की खरीदारी, वोकल फॉर लोकल का दिया संदेश

मानसरोवर के बड़ा बाजार में स्वदेशी उत्पाद खरीदे, आमजन को दी दीपोत्सव पर्व की शुभकामनाएं

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार शाम को धनतेरस पर मानसरोवर के बड़ा बाजार में सपरिवार दीपावली पर्व की खरीददारी की। उन्होंने स्ट्रीट वेंडर्स से मिट्टी के दीये, पूजन सामग्री, रंगोली, बंदनवार आदि खरीदे तथा यूपीआई से भुगतान कर डिजिटल पेमेंट और वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने खरीदारी के दौरान स्थानीय आमजन, छोटे विक्रेताओं और व्यापारियों को धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री को अपने बीच खरीददारी करते देखकर स्ट्रीट वेंडर्स एवं आमजन ने खुशी व्यक्त की। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का किरण पथ स्थित बड़ा बाजार पहुंचने पर स्थानीय व्यापार मंडल ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।





भाजपा प्रदेश कार्यालय में धनतेरस से शुरू दीपोत्सव, रोशनी और आतिशबाजी के बीच मनाया खुशियों का पर्व

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बगड़िया भवन पहुंचकर खरीदें दीये

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव के प्रथम दिन धनतेरस का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रदेश कार्यालय को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते प्रदेश कार्यालय में दीपावली के उत्सव का उल्लास देखते ही बना। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यालय में प्रवेश द्वार पर स्थित प्रथम पूज्य गणेश जी की पूजा अर्चना की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, डॉ. मिथिलेश गौतम तथा अन्य प्रदेश पदाधिकारियों ने रोशनी का निरीक्षण किया। सभी पदाधिकारियों ने आतिशबाजी कर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं। इसके पश्चात एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया और दीपावली की



शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, विधायक व एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष गोपीचंद मीणा, पूर्व उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, आईटी प्रभारी अविनाश जोशी, प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दीपावली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राठौड ने कहा कि दीपावली प्रकाश, उल्लास, समृद्धि और सकारात्मकता का पर्व है। दीपों का यह पावन पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। मां लक्ष्मी एवं भगवान श्रीगणेश की कृपा सभी पर बनी रहे तथा राजस्थान निरंतर विकास, प्रगति और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करें। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को अपनाने, पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखने और आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव के साथ दीपावली मनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने बगड़िया भवन पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की। इस दौरान उन्होंने लोकल उत्पादों को प्रोत्साहन देने और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के संदेश देते हुए दीये खरीदें।

अवैध मदिरा पर कार्रवाई एक लाख लीटर से अधिक वॉश नष्ट

जयपुर (कासं)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्यों से आने वाली मदिरा एवं अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम हेतु जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत विशेष निरोधात्मक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अवैध देशी, विदेशी मदिरा की जब्ती सहित एक लाख 18 हजार 371 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 94 अभियुक्त गिरफ्तार किए है।

प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत एक से 5 नवम्बर तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 590 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 4 लाख 93 हजार 30 रूपए लागत की 1502 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 5 लाख 84 हजार 445 रूपए की 7076 लीटर, बीयर 90 हजार 134 रूपए की 392 लीटर, हथकड़ शराब 4442 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश एक लाख 18 हजार 371 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान दुपहिया वाहन 8 जब्त करते हुए 94 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है। कोटा जिले के रामगंजमंडी में आबकारी टीम की कार्रवाई में 2 हजार लीटर वॉश सहित 5 मदिरा भट्टियां नष्ट कर 54 लीटर अवैध हथकड़ मदिरा जब्त की गई। जयपुर में देशी मदिरा के 400 पव्वे जब्त करते हुए 4 अभियोग दर्ज किए। झालावाड़ में अवैध मदिरा परिवहन करने पर स्कूटी जब्त कर अभियोग दर्ज किया। श्रीगंगानगर में 200 लीटर वॉश व मदिरा भट्टी नष्ट करते हुए एक मोटरसाईकल जब्त की साथ ही एक अन्य कार्रवाई में 33 पव्वे देशी मदिरा के जब्त किए। जोधपुर के पीपाड़, फलौदी एवं सरदारपुरा थाना क्षेत्र में 300 लीटर वॉश नष्टीकरण सहित 45 पव्वे देशी मदिरा जब्त की गई। हनुमानगढ़ जिले के भादरा, नोहर, संगरिया व हनुमानगढ़ थाना क्षेत्र में 4 हजार लीटर वॉश सहित 6 कच्ची भट्टियां नष्ट करते हुए 3.75 बल्क लीटर हरियाणा निर्मित देशी मदिरा व 15 लीटर हथकड़ मदिरा जब्त कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। भीलवाड़ा के सारांना में 200 लीटर वॉश सहित 3 मदिरा भट्टियां नष्ट कर अभियोग दर्ज किया। सीकर में 1600 लीटर वॉश नष्ट करते हुए देशी मदिरा के 170 पव्वे, अंग्रेजी मदिरा के 17 पव्वे, बीयर 12 केन एवं 238 लीटर अवैध हथकड़ मदिरा जब्त करते हुए अभियोग दर्ज किए गए।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय में मनाया गया धन्वंतरि आरोग्य सप्ताह

जयपुर (कासं)। शासन सचिवालय परिसर स्थित राजकीय आयुर्वेद औषधालय की ओर से शुक्रवार को धन्वंतरि आरोग्य सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं आरोग्य की कामना की गई। कार्यक्रम में सचिवालय राजपत्रित अधिकारी सेवा संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा मुख्य अतिथि तथा आयुष विभाग के वरिष्ठ शासन उप सचिव नरोत्तम लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप शासन सचिव बाबूलाल मीणा, पूर्व कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कजोड़मल मीणा एवं परिचारक संघ के अध्यक्ष नरपत सिंह सहित सचिवालय के आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े चिकित्सक, कंपाउंडर, नर्स एवं परिचारक तथा अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय आयुर्वेद औषधालय के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी एवं प्रभारी वैद्य राजेश शर्मा ने मौसमी बीमारियों से बचाव एवं उपचार के बारे में जानकारी दी।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में राजस्थान की मजबूत दस्तक, विदेशी पर्यटकों का आगमन बढ़ा चार वर्षों में यूरोप के शीर्ष 10 देशों से 16.37 लाख पर्यटक पहुंचे राजस्थान







जयपुर (कासं)। लंदन में वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट के समापन के साथ ही राजस्थान के अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजारों से जुड़े आंकड़े राज्य की बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता की तस्वीर पेश कर रहे हैं। पिछले चार वर्षों में यूरोप के शीर्ष 10 देशों से राजस्थान में 16.37 लाख पर्यटक यात्राएं दर्ज की गई। इनमें अकेले ब्रिटेन से 3.88 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। जापान और चीन से भी इसी अवधि में करीब 87 हजार पर्यटक आगमन हुए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी के मार्गदर्शन में राजस्थान पर्यटन विभाग डब्लूटीएम लंदन, आईटीबी बर्लिन और टूरिज्म एक्सपो जापान जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मार्ट में भागीदारी के जरिए राज्य को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने के प्रयास कर रहा है।

पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड के अनुसार, राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अग्रणी गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए प्रमुख वैश्विक बाजारों में निरंतर प्रचार-प्रसार और भागीदारी महत्वपूर्ण है। राज्य की पर्यटन पहचान को ऐतिहासिक विरासत के साथ वन्यजीव, ग्रामीण पर्यटन, लोक संस्कृति, हस्तशिल्प, आध्यात्मिक पर्यटन, इको टूरिज्म और अनुभव आधारित उत्पादों तक विस्तार दिया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की बदलती पसंद के अनुरूप राजस्थान के विविध पर्यटन आकर्षणों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना विभाग की प्राथमिकता है।

राजस्थान पर्यटन विभाग के देशवार आंकड़ों के अनुसार, यूरोप के शीर्ष 10 देशों से पर्यटक आगमन वर्ष 2022 में 1,40,204 था, जो 2023 में बढ़कर 4,20,104 और 2024 में 5,34,409 हो गया। वर्ष 2025 में यह संख्या 5,42,205 दर्ज की गई। इस प्रकार चार वर्षों में इन देशों से कुल 16,36,922 पर्यटक यात्राएं राजस्थान में हुई। इनमें ब्रिटेन और फ्रांस सबसे प्रमुख स्रोत बाजार बनकर उभरे। ब्रिटेन से चार वर्षों में 3,88,898 और फ्रांस से 3,88,895 पर्यटक आगमन दर्ज हुए। जर्मनी से 2,39,023, इटली से 2,20,778 और स्पेन से 1,43,157 पर्यटक पहुंचे। नीदरलैंड, बेल्जियम, पोलैंड, स्विट्जरलैंड और रूस भी प्रमुख यूरोपीय बाजारों में शामिल रहे। ब्रिटेन से पर्यटक आगमन में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वर्ष 2022 में जहां ब्रिटेन से 29,532 पर्यटक आगमन दर्ज हुए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 1,33,978 हो गई। यानी चार वर्षों में यह आंकड़ा 4.5 गुना से अधिक हो गया। फ्रांस से भी इसी अवधि में 34,999 से बढ़कर 1,31,270 पर्यटक यात्राए दर्ज की गई। राजस्थान पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में राज्य की निरंतर भागीदारी राजस्थान की वैश्विक ब्रांडिंग की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है इनके जरिए राज्य के पर्यटन उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने के महत्वपूर्ण अवसर मिलते हैं। प्रमुख यूरोपीय देशों से पर्यटक आगमन के आंकड़े उत्साहजनक हैं। विभाग का प्रयास है कि राजस्थान के पारंपरिक पर्यटन आकर्षणों के साथ वन्यजीव, ग्रामीण पर्यटन, लोक संस्कृति, धार्मिक स्थलों और नए अनुभव आधारित पर्यटन उत्पादों को भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यापक पहचान मिले।

एशियाई बाजारों में जापान राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बाजार के रूप में सामने आया है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच जापान से 71,886 पर्यटक आगमन दर्ज हुए, जबकि चीन से 15,771 पर्यटक पहुंचे। दोनों देशों से कुल 87,657 पर्यटक आगमन हुए। जापान से वर्ष 2025 में 25,250 पर्यटक आए, जबकि चीन से यह संख्या 5,486 रही।

3 से 5 नवंबर 2026 तक लंदन में आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट में राजस्थान ने अपने विविध पर्यटन उत्पादों और संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। राजस्थान मंडप का उद्घाटन पद्म विभूषण सुधा मूर्ति, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी द्वारा किया गया। इस दौरान राजस्थान ने ऐतिहासिक विरासत के साथ वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण जीवन, इको टूरिज्म, वेलनेस, धार्मिक पर्यटन, लोक संस्कृति और हस्तशिल्प को प्रमुखता से प्रदर्शित किया।

आंकड़ों में राजस्थान के प्रमुख विदेशी बाजार
यूरोप के शीर्ष 10 देशों से पर्यटक आगमन (2022-2025)

देश	2022	2023	2024	2025	कुल
ब्रिटेन	29,532	96,394	1,28,994	1,33,978	3,88,898
फ्रांस	34,999	97,157	1,25,469	1,31,270	3,88,895
जर्मनी	18,303	60,220	77,797	82,703	2,39,023
इटली	14,886	56,388	77,868	71,636	2,20,778
स्पेन	17,420	41,552	45,344	38,841	1,43,157
नीदरलैंड	7,009	18,122	20,049	21,137	66,317
बेल्जियम	5,203	14,069	16,302	20,629	56,203
पोलैंड	3,419	13,216	15,931	14,471	47,037
स्विट्जरलैंड	3,996	11,225	14,558	14,605	44,384
रूस	5,437	11,761	12,097	12,935	42,230
कुल	1,40,204	4,20,104	5,34,409	5,42,205	16,36,922

न्यूज इनबॉक्स

मुख्यमंत्री शर्मा की दीपावली, गोवर्धन, धनतेरस और भाईदूज पर शुभकामनाएं

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन, धनतेरस और भाईदूज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण के उच्चतम मूल्यों का प्रतीक हैं। उनके अयोध्या आगमन पर मनाया जाने वाला दीपोत्सव का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और निराशा से आशा की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कामना की कि दीपोत्सव का पावन पर्व देश-प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि लेकर आए। साथ ही, उन्होंने प्रदेशवासियों से प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना के साथ त्योहार मनाने तथा विकसित राजस्थान के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

दीपावली पर्व पर विधानसभा में 10 नवंबर का भी अवकाश

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीपावली के पांच दिवसीय पर्व के अवसर पर विधान सभा में मंगलवार, 10 नवंबर को भी अवकाश घोषित किया है। राजस्थान विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पूर्व में शनिवार, 21 फरवरी राजकीय अवकाश को राजस्थान विधान सभा में कार्य दिवस रखा गया था। उक्त कार्य दिवस के एवज में मंगलवार, 10 नवंबर को विधान सभा सचिवालय में अवकाश घोषित किया गया है। इससे विधान सभा कार्मिकों को एक साथ पांच दिवस के अवकाश का लाभ मिल गया है। देवनानी की इस पहल से दीपावली पर्व पर विधान सभा कार्मिकों को परिवारजनों के साथ त्योहार मनाने तथा पारिवारिक परम्पराओं का निर्वहन करने की खुशी ओर बढ़ गई है। देवनानी का यह निर्णय विधान सभा कार्मिकों के सकारात्मक दृष्टिकोण है।

भूपेन्द्र यादव ने आश्रितों को दिए 12 लाख के सहायता चेक

जयपुर (कासं)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शुक्रवार को सरस डेयरी की ओर से सचिव कल्याण कोष के अंतर्गत मालाखेड़ा की हजारिया बास बावड़ी समिति के सचिव स्वर्गीय राम सिंह सैनी के निधन के उपरांत उनकी धर्मपत्नी ी चिड़िया देवी को 10 लाख रूपये एवं मुंडावर की जिंदोली समिति के सचिव चन्दनलाल मिश्रा के असहाय बीमारी से पीड़ित होने के कारण उनके परिवार को 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया। केंद्रीय वन मंत्री ने कहा कि सचिव कल्याण कोष का उद्देश्य कठिन परिस्थितियों में समिति के सचिवों एवं उनके परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। इस पहल के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि संकट की घड़ी में उनके परिवारों को सहयोग मिल सके।

दीपावली के अवसर पर जेडीए में विधि-विधान से हुआ लक्ष्मी पूजन

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने दीपावली के पावन अवसर पर शुक्रवार को जयपुर विकास प्राधिकरण परिसर के मुख्य द्वार पर विधिवत मंत्रोच्चार के साथ मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने जेडीए एवं जयपुर शहर के सर्वांगीण विकास, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जेडीए सचिव डॉ. गौरव सैनी, उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन श्रीमती प्रिया बलराम शर्मा, समस्त निदेशकगण, उपायुक्तगण सहित प्राधिकरण के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बस्सी में खाद्य सुरक्षा टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाइयों के 10 नमूने लिए

जयपुर (कासं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर दीपावली के त्यौहार पर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने हेतु चलाए गए विशेष अभियान में सी एम एच ओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने बस्सी में अनेक प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही करते हुए मिठाइयों के 10 नमूने लिए। टीम ने बस्सी बस स्टैंड स्थित मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी मैसर्स बालाजी मिष्ठान भंडार से मावा मिठाई मैसर्स श्रीराम मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी,गंगाधाम मोड़ स्थित मैसर्स लाल जी जोधपुर स्वीट्स से मिश्री मावा तूंगा रोड स्थित मैसर्स शर्मा स्वीट्स एंड लोटस पार्लर से मावा,कलाकंद घी के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए गए, जिनकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। टीम द्वारा लगभग एक दर्जन दुकानों का निरीक्षण कर मिठाइयां तैयार करने में अच्छी क्वालिटी का मावा उपयोग में लेने, फूड कलर का इस्तेमाल सीमित मात्रा में करने, खराब एवं दूषित हो चुकी मिठाइयों को नहीं बेचने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने, फूड लाइसेंस को दुकान पर डिस्प्ले करने के निर्देश दिये गए। इसी क्रम में जोबनेर क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई की गई।

इसके अतिरिक्त श्री राम स्वीट्स का निरीक्षण कर प्रतिष्ठान संचालक को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। सभी सैंपल जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

राजस्थान सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अजमेर

क्रमांक /लेखा-एनएचएम/2026/8391 दिनांक : 5.11.2026

खुली निविदा सूचना संख्या - 8379/2026

(UBN No. MHS2627GSOB04346)

इस कार्यालय में एनवीबीडीसीपी कार्यक्रम के तहत मलेरिया की रोकथाम हेतु बीटीआई 5 प्रतिशत क्रय करने हेतु संबंधित फर्मों से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में शर्तें sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र. सं.	निविदा का विवरण	निविदा राशि रू.	अमानत राशि रू.	निविदा शुल्क राशि रू.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने की दिनांक एवं समय
1	BTI 5% AS	536000	10720	500	दिनांक 16.11.26 समय दोपहर 11.00 बजे	दि. 16.11.26 समय प्रातः 02.00 बजे

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
अजमेर

DIPR/C/18279/2026

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625